मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की 'अपना मध्यप्रदेश' यात्रा

प्रदेश के विकास में सक्रिय जनभागीदारी सुनिश्चित करने की पहल

यात्रा के प्रतिपल साक्षी सुरेश गुप्ता की रपट

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने गणतंत्र की 60वीं वर्षगाँठ पर सपत्नीक नर्मदा के उद्गम स्थल नर्मदा मंदिर में पूजा-अर्चना कर अपनी मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने वहां रुद्राक्ष का पौधा लगाया। श्री चौहान ने इसके पश्चात नर्मदा उद्गम के पास गांधी कुंड में छात्र-छात्राओं के साथ नर्मदा जल की सफाई कार्य में भाग लिया। इसके पश्चात श्री चौहान ने अपना मध्यप्रदेश बनाओ अभियान की पहली आमसभा को संबोधित किया।

सभी गांव बारहमासी सड़कों से जोड़ दिये जायेंगे

अमरकंटक विकास प्राधिकरण का गठन होगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने एक विशाल आमसभा में जय मध्यप्रदेश का नारा लगवाकर मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा का शुभारंभ करते हुए लोगों से मध्यप्रदेश बनाओ अभियान में स्वच्छता, पर्यावरण, नशामुक्ति, जल संचय जैसे कामों में से एक काम को हाथ में लेते हुए इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का अनुरोध किया। श्री चौहान ने मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दृष्टि से यह घोषणा की कि वर्ष 2013 तक मध्यप्रदेश के सभी गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जायेगा। श्री चौहान ने कहा कि लोगों की इतनी बड़ी तादाद इस बात की गवाह है कि लोग मध्यप्रदेश को एक सुविकसित राज्य के रूप में देखना चाहते हैं। श्री चौहान ने कहा कि पवित्र नर्मदा के उद्गम स्थल से उन्होंने इस अभियान की शुरुआत इसलिए की क्योंकि नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवन रेखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा है तो मध्यप्रदेश है और अब इस प्रदेश को देश में पहले पायदान का राज्य बनाना है। उन्होंने विकास के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दर्ज कराते हुए कहा कि अब इसमें आम लोगों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। प्रदेशवासियों को प्रदेश के विकास के लिये कड़ा परिश्रम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में राजनेताओं ने वोटो के लालच में जनता की मानसिकता सरकार पर निर्भरता की बना दी है। यात्रा का एक उद्देश्य इस मानसिकता में परिवर्तना लाना भी है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे अपने उत्तरदायित्वों को भलीभांति निर्वहन कर मध्यप्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।

प्रदेश में बिजली उत्पादन की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी चार साल में 6000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन किया जायेगा। उनकी कोशिश है कि प्रदेश में गांवों को 24 घंटे तथा खेती के लिये पर्याप्त बिजली मिले। इसके लिये अलग फीडर की स्थापना की गई है। श्री चौहान ने पुनः दोहराया की प्रदेश को भूमाफिया सहित सभी प्रकार के माफियाओं से निजात दिलाने के लिये कोई कसर नहीं रखी जायेगी।

प्रदेश के आदिवासियों के हित में लिए गए अनेक निर्णयों की चर्चा करते हुए उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश में ऐसे सभी आदिवासियों को जो वर्ष 2005 तक जमीन पर काबिज हैं भूमि के पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वनभूमि पट्टों के अमान्य दावों की भी पुनः जांच की जायेगी, ताकि लोगों को पट्टे मिल सके। श्री चौहान ने इस अवसर पर 50 लोगों को प्रतीक स्वरूप विभिन्न कार्यों के लिए पट्टे वितरित किये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमरकंटक के सर्वांगीण विकास के लिए

अमरकंटक विकास प्राधिकरण का गठन किया जायेगा।

नर्मदा प्रदूषण मुक्त होगी

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की भाग्य रेखा नर्मदा को प्रदूषणमुक्त करने का उपस्थित जनसमुदाय को हाथ उठवाकर संकल्प दिलाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अमरकंटक में 98.76 करोड़ लागत के 336 कार्यों का लोकार्पण एवं 71.40 करोड़ की लागत से बनने वाले 453 कार्यो का शिलान्यास किया।

ग्राम पोड़की में दिया "जय मध्यप्रदेश" का नारा

श्री चौहान ने अनूपपुर जिले के ग्राम पोड़की में गांव वालों की चौपाल को संबोधित करते हुए प्रदेशवासियों को "जय मध्यप्रदेश" का नया नारा दिया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेशवासी पेड़ लगाने, पानी-बिजली बचाने, नशामुक्ति और स्वच्छता लाने जैसे रचनात्मक कार्यों को कर प्रदेश के निर्माण में सहभागी हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार स्कूल, सड़क, अस्पताल बनाने और बिजली पैदा करने जैसे काम तो करेगी ही महिलाओं को सशक्त बनाने की कोशिशें भी निरंतर जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पंचायत भवन में स्थापित विवेकानंद वाचनालय और उप स्वास्थ्य केन्द्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने श्रीमती श्यामबाई को जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत चौदह सौ रुपये की राशि का चेक भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कन्या क्रीड़ा परिषद में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां अर्जित करने वाली 19 बालिकाओं और दो बालकों से भी भेंट की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास के प्रति सजग है। पिछले पाँच वर्ष में प्रदेश के खेल बजट को पांच गुना किया गया है।

जिगरई के विकास के लिए सभी कदम उठाए जाएँगे

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने अपनी मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के दौरान पहली रात डिण्डौरी जिले के ग्राम जिगरई के निवासियों का दुःख-दर्द जानकर उन्हें दूर करने का आश्वासन दिया। श्री चौहान अपनी यात्रा के दौरान करंजिया सभा के बाद ग्राम गाढ़ासरई जा रहे थे, तब इन निवासियों ने उन्हें रोक लिया और अपना मांग पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने गाड़ी से उतरकर ग्रामवासियों से मांग पत्र लिया। श्री चौहान ने ग्राम में पाले से फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आकलन कर तत्काल राहत राशि मुहैया कराने के निर्देश जिला कलेक्टर को दिये। श्री चौहान ने कहा कि गांव के विकास के लिये सभी संभव कदम उठाये जायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम जिगरई के लोगों से कहा कि वे गांव में 15 सेवाभावी युवकों को तैयार करें और ग्राम के विकास में उनकी मदद लें। सरकार भी इन युवकों की मदद लेकर स्व-सहायता समूह के माध्यम से उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करेगी। उन्होंने जिला कलेक्टर को इस संबंध में शीघ्र प्रस्ताव बनाकर उस पर अमल के निर्देश दिये।

इसके बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम पाटनगढ़ में भी रुककर ग्रामवासियों से चर्चा की तथा उन्हें इस यात्रा के उद्देश्यों से अवगत कराया।

ग्राम गोरखपुर के निवासी ने भी मुख्यमंत्री को रास्ते में रोककर अपनी फसलों को पाले से हुए नुकसान का सर्वे कराने और गांव की अन्य मांगों के संबंध में मांग पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिला कलेक्टर को शीघ्र ही सर्वेक्षण कराकर राहत राशि प्रदान करने के निर्देश दिये।

आदिवासियों के हितों का संरक्षण सर्वोपरि होगा

मुख्यमंत्री ने यात्रा के पहले दिन देर रात डिंडौरी जिले के आदिवासी बहुल कस्बा गाड़ासरई में एक बड़ी आम सभा को संबोधित किया उन्होंने प्रदेश की संपदा का संरक्षण और संसाधनों के संतुलित उपयोग को मध्यप्रदेश के विकास के लिये आवश्यक निरूपित करते हुए कहा कि आदिवासियों के हितों के संरक्षण को विशेष प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे उन बाहुबलियों और अवसरवादियों के खिलाफ शासन सख्ती से कार्रवाई करेगा जिनके द्वारा आदिवासियों के नाम पर अपने हित साधे जाते हैं।

किसानों और ग्रामवासियों को अगले

सभी छायाचित्र : बृजराज चौहान

चार वर्षों में दिन-रात बिजली मुहैया कराने की दिशा में पूरी गंभीरता से कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिये गांव में और खेती के लिये बिजली की उपलब्धता निर्बाध बनाये रखने के उद्देश्य से अलग-अलग फीडर निर्धारित कर विद्युत वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

63 लाख रुपये के ऋण और अनुदान उपलब्ध कराये जायेंगे।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने वनभूमि में काबिज आदिवासियों को वनाधिकार का पट्टे प्रदान किये और भारत पर्व का शुभारंभ किया। उन्होंने भारत पर्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले दलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 11-11 हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने स्कूल जाने वाली बैगा जनजाति की छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं तथा राष्ट्रीय परिवार सहायता के हितग्राहियों को 10-10 हजार की सहायता राशि के चैक प्रदान किये। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली तीन ग्राम पंचायतों को 25-25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के चैक भी वितरित किये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान होटल में चाय-नाश्ता करने पहुँचे

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने अपनी मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के दौरान डिण्डौरी जिले के करंजिया बस स्टैण्ड पर स्थित राय स्वीट्स होटल पर रुककर चाय-नाश्ता किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान करंजिया में आम सभा को संबोधन और विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करने के बाद जिले के गाड़ासरई ग्राम में आमसभा को संबोधन के लिए जा रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान को अपनी होटल आया देख होटल संचालक श्री उमेश राय और उनके परिजन प्रसन्नता के साथ ही हतप्रभ भी हो गये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने होटल संचालक से उनके व्यवसाय, आमदनी और परिवार की कुशलक्षेम भी जानी। मुख्यमंत्री श्री चौहान को राय स्वीट्स पर चाय-नाश्ता करते देखकर करंजिया वासियों की भारी भीड़ होटल के आसपास सिमट आई।

आओ बनायें अपना मध्यप्रदेश के अंतर्गत प्रदेशवासियों में जागरूकता पैदा करने रचनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने और प्रदेश के निर्माण में सक्रिय योगदान के लिये आम लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आरंभ की गई यात्रा को उन्होंने रचनात्मक निरूपित किया। उन्होंने कहा कि अपने मध्यप्रदेश को बनाने का आशय यह है कि प्रदेश में इस प्रकार के सर्वांगीण जनहितैषी कार्य किये जायें जिससे यह प्रदेश हर क्षेत्र में विकास की ऊंचाइयों को छू सके और देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में आगे आ सके।

श्री चौहान ने आदिवासी जिला डिण्डौरी को प्रदेश का आदर्श और पूर्ण विकसित जिला बनाने की दिशा में सभी आवश्यक उपाय करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाने के प्रति लोगों का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत प्रतीक स्वरूप दो स्व-सहायता प्रतिनिधियों को स्वरोजगार के लिये ऋण और अनुदान राशि के चैक वितरित किये। इस योजना के तहत गाड़ासरई क्षेत्र के 38 हितग्राही समूहों को

गांव के विकास के लिये सामूहिक चेतना आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने अपनी मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के दौरान ग्राम शाहपुर में गलियों की सफाई कर गांव वालों को समग्र ग्राम स्वच्छता कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेने की प्रेरणा दी। श्री चौहान यात्रा के दूसरे दिन सुबह ही ग्राम शाहपुर पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम के भ्रमण के दौरान गांव वालों से कहा कि उनकी यात्रा का एक मकसद ग्राम सुधार के लिये गांव वालों की सामूहिक चेतना को क्रियाशील रूप देना भी है। उन्होंने कहा कि इस सामूहिक चेतना की क्रियाशीलता के बिना गांव और प्रदेश के विकास के सरकार के प्रयास सफल नहीं हो सकेंगे।

श्री चौहान ने शाहपुर गांव में महिला स्वच्छता परिसर बनाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिये। श्री चौहान ने गांव के वनवासी मोहल्ले में श्री कद्दूलाल वनवासी के घर पर शुष्क शौचालय निर्माण की शुरुआत भी की। उन्होंने जिला प्रशासन को श्री कद्दूलाल को इंदिरा आवास योजना का लाभ देने के निर्देश भी दिये। उन्होंने जिला प्रशासन को गांव की समस्याओं के निराकरण के लिये शिविर लगाने तथा जरूरी विकास कार्यों को चिन्हित करने के लिये भी कहा।

विकास के लिये समाज का सरकार के साथ खड़ा होना जरूरी

श्री चौहान ने 27 जनवरी की दोपहर डिंडौरी जिले के नुनखान, बरखों, विक्रमपुर, सफाईतोड़ा, धानाखेड़ा, डोगरिया, अमेरा, अमझेरा, करोंदी, बरगांव और बरझोर गांव में अपनी यात्रा के दौरान गांव वालों से संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा का उद्देश्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास के काम में सरकार के साथ समाज को खड़ा करना है।

श्री चौहान ने कहा कि अपना मध्यप्रदेश बनाने से उनका आशय ऐसा प्रदेश बनाना है जहां गरीबी और बेकारी न हो। शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाओं तक आम आदमियों की पहुंच हो, खेती लाभ का धंधा हो, हर हाथ को काम हो, भरपूर पानी और बिजली हो। श्री चौहान ने कहा कि अपने मध्यप्रदेश में कोई भूखा न सोए और इलाज के अभाव में कोई मौत को गले न लगाये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर गांव में गांव के विकास के कामों में सहयोग हो और उनकी निगरानी करने के लिये 10-15 युवाओं का समूह तैयार किया जाये। उन्होंने कहा कि इस समूह का नाम तयकर मुझे भेजें। साथ ही जिला प्रशासन की जानकारी में भी लाया जाये। श्री चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन इस समूह से समन्वय कर गांव के विकास के जरूरी कामों को पूरा करने की लोगों की सामूहिक भागीदारी की रणनीति बनाने का प्रयास करेगा।

श्री चौहान ने गांव की सड़क और पानी की समस्या की जानकारी प्राप्त कर उन्हें हल करने के लिये स्थल पर ही जिला कलेक्टर को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री विक्रमपुर में पीने का पानी लेकर आयेंगे

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने यह वादा किया है कि वे विक्रमपुर और कसईसोडा गांवों में पीने का पानी लायेंगे। श्री चौहान शाहपुर से शहपुरा जाते हुए ग्रामीणों के आत्मीय आग्रह पर ग्राम विक्रमपुर में रुके और ग्रामवासियों से चर्चा की। ग्रामवासियों की सभी मांगों का उन्होंने रुपया प्रतिदिन मजदूरी दी जायेगी।

विकास के लिए समर्पित एवं इच्छुक लोगों की समितियों का गठन होगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने 27 जनवरी को डिण्डौरी जिले के ग्राम शहपुरा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा है कि गांवों का विकास सुनिश्चित करने के लिए समर्पित एवं इच्छुक लोगों की समितियों का गठन हो। ये समितियां शासन के विकास कार्यों में सहयोग देंगी तथा 'अपना मध्यप्रदेश बनाओ' अभियान की भावना के अनुरूप स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार

मुख्यमंत्री श्री चौहान की विद्यार्थियों से बातचीत

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के अंतर्गत अनूपपुर जिले के अमरकंटक में अनेक विद्यार्थियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विवेकानंद अध्ययन केन्द्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को शिक्षण एवं प्रशिक्षण पर गंभीर रहते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षण और प्रशिक्षण पर ध्यान देने से विद्यार्थी स्वावलंबी नागरिक बन सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश बनाओ अभियान एवं मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के उद्देश्यों के बारे में भी बताया। श्री चौहान ने उम्मीद व्यक्त की कि छात्र-छात्राएं विकास की भावना को आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश की प्रगति में सहभागी बनेंगे।

परीक्षण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विक्रमपुर को विकासखंड बनाने के लिए शीघ्र परीक्षण कराकर मध्यप्रदेश सरकार का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी लोग अपने कर्त्तव्यों का पूरे मनोयोग और निष्ठा के साथ निर्वहन करें जो जिस काम में है उसके प्रति ईमानदार रहें। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों और मजदूरों के हितों के संरक्षण के लिये प्रयत्नशील है। किसानों को गेहूं की खरीदी पर निर्धारित मूल्य से एक सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से अतिरिक्त बोनस दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि अब मजदूरों को भी एक सौ विकास के काम हाथ में लेंगी।

श्री चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत अब मजदूरी की राशि बढ़ाकर न्यूनतम 100 रुपये दी जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पानी रोको, हरियाली बढ़ाने, नशामुक्ति जैसे काम हाथ में लें तभी 'अपना मध्यप्रदेश बनाओ' अभियान सफल होगा तथा हम समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण के संकल्प को प्राप्त कर सकेंगे।

श्री चौहान ने डिण्डौरी को आदर्श जिले के रुप में विकसित करने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि डिण्डौरी में उद्योगों की स्थापना के प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने डिण्डौरी पॉलीटेक्निक को तत्काल प्रारंभ करने, आई.टी.आई. में अध्यापन की व्यवस्था करने

सभी छायाचित्र : बृजराज चौहान

तथा शासकीय महाविद्यालय डिण्डौरी में विज्ञान स्नातकोत्तर की कक्षाएं अगले सत्र से प्रारंभ करने की घोषणा की। श्री चौहान ने शहपुरा नगर पंचायत को विकास के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की।

सभा के प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत दो हितग्राही बालिकाओं को हितलाभ पत्र सौंपे, प्रतीक स्वरूप 10 वनवासियों को वन अधिकारी अधिनियम पट्टे दिए तथा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बालिका-महिला खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों की ओर से हॉकी के खेल को बढ़ावा देने के लिए 3100 रुपये की राशि मुख्यमंत्री श्री चौहान को सौंपी गई। मुख्यमंत्री ने लगभग आठ करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने एक करोड़ चार लाख रुपये की लागत से निर्मित बालक आश्रम अमरपुर तथा प्री-मैट्रिक भवन का लोकार्पण किया।

श्री चौहान ने अपनी यात्रा में ग्राम बिछिया और देवहरा में नागरिकों से अपना मध्यप्रदेश बनाओं अभियान में भागीदारी करने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मण्डला जिले के निवास विकासखंड के ग्राम मानिकपुर में नवीन बैगा कन्या आश्रम के अवलोकन के साथ छात्राओं से बातचीत भी की। उन्होंने आश्रम से सम्बद्ध शाला शिक्षकों को शैक्षणिक स्तर को सुधारने के निर्देश दिए।

पैसे के व्यय पर जन प्रतिनिधि और जनता नजर रखें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 27 जनवरी को निवास में एक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास की सबसे छोटी इकाई हमारे गांव हैं, इनकी खुशहाली और विकास के लिये हम सबको राजनैतिक विचारधारा और वर्गों के मतभेद और ऊँच-नीच का त्याग कर एकजुट होकर ग्राम विकास की सोच न केवल जागृत करना है बल्कि इस दिशा में परिणाममूलक कार्य भी करना होंगे।

श्री चौहान ने कहा कि राजनीति नहीं जनता की खुशहाली मेरी सर्वोपरी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों के मन में मध्यप्रदेश बनाने की कल्पना का आशय अभी स्पष्ट नहीं है। मध्यप्रदेश के सम्पूर्ण विकास के लिये यह आवश्यक है कि गरीब गरीब न रहे, हर हाथ को काम मिले और प्रदेशवासियों के चेहरों पर मुस्कराहट हो। इन सबको प्राप्त करने के लिये प्रदेश में बहुमुखी प्रयत्न करना आवश्यक है। इस लक्ष्य को तभी प्राप्त किया जा सकता है जब सबके मन में मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने की तीव्र ललक हो। इसी दिशा में लोगों से मुलाकात कर कठिनाइयों को जानने, उनका समाधान करने आदि के प्रयास आरंभिक कदम थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के नुमाइंदों, जनप्रतिनिधियों और आम लोगों को विकास एवं जन कल्याण के कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध करनी होगी। उन्होंने कहा कि विकास के कार्यों के लिये धनराशि की कोई कमी आड़े नहीं आयेगी, लेकिन जनप्रतिनिधि और जनता यह खुद देखे कि जो पैसा कार्यों के लिए आ रहा है उसके हर पैसे का सदुपयोग हो। मुख्यमंत्री ने निवास में पेयजल की उचित व्यवस्था कराने, प्री मैट्रिक छात्रावास का उन्नयन, आदिवासी बालक छात्रावास खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुझे जानकारी दी गई है कि यहां फसलों को सूखे के कारण क्षति हुई है। उन्होंने मौके पर ही प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल सर्वे कार्य कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सर्वे इस प्रकार किया जाये जिससे पीड़ित किसानों को उनके नुकसान का भरपूर मुआवजा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने महाविद्यालयीन छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से भेंट की और सम्बंधित अधिकारियों से निवास महाविद्यालय में अगले शैक्षणिक सत्र से हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, समाजशास्त्र एवं इतिहास की स्नातकोत्तर कक्षाएं आरंभ करने, महाविद्यालय में विज्ञान विषयों की कक्षायें आरंभ करने और स्नातक स्तर के लिये भूगोल प्रयोगशाला आरंभ करने के निर्देश दिये। उन्होंने महाविद्यालय छात्रों के लिए खेल का मैदान तैयार करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने निवास में लगभग 45 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया तथा 7 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य का सामूहिक शिलान्यस किया। उन्होंने समारोह में आए नृतकदलों को स्वेच्छा निधि ग्यारह-ग्यारह हजार की राशि देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मास्साब की भूमिका निभाई

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के दौरान एक शिक्षक की भूमिका में नजर आये। मुख्यमंत्री श्री चौहान डिण्डौरी जिले के ग्रामों से होकर मंडला जिले के निवास जाते समय ग्राम नरिया की प्राथमिक शाला को देखकर वाहन से उतर गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान शाला में पहुंचकर सीधे पहली कक्षा में मास्टर साहब की कुर्सी पर बैठ गए।

मास्टर साहब बच्चों को ब्लेक बोर्ड पर कुछ लिखवा रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सबसे पहले बच्चों से पढ़ाई और मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की बात की। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि- "पढ़कर अच्छा लगता है?" तो बच्चों ने सस्वर जवाब दिया - "हाँ।" फिर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूछा -"मध्यान्ह भोजन में क्या मिलता है" प्रश्न का जवाब मिला- "दाल चावल और सब्जी।" मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके बाद बच्चों को खूब पढ़ने की समझाइश दी।

पहली कक्षा के बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान कक्षा तीसरी में भी गये। उन्होंने बच्चों से पूछा- "क्या पढ़ रहे हो?" तो जवाब था - "हिन्दी।" मुख्यमंत्री ने एक बच्चे से हिन्दी की किताब लेकर उसमें से "चिड़िया" पाठ के सवाल पूछे। "चिड़िया पंखों में क्या भरकर लाती है?" तो उत्तर था- "हवा"। मुख्यमंत्री ने अगला सवाल पूछा - "चिड़िया चोंच में क्या भरकर लाती है?" प्रश्न का पूरी कक्षा द्वारा दिया गया जवाब था - "जल"। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एक विद्यार्थी से पूछा- "चिड़िया आंखों में क्या भरकर लाती है?" हेमलाल नामक बच्चे का जवाब था -"हरियाली"।

सवालों के सही -सही जवाब सुनकर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बच्चों और शाला परिवार की सराहना की और अपनी यात्रा के लिए आगे प्रस्थान कर गये।

योगगुरु बने शिवराज

बच्चों में मामा के रूप में लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अब योगगुरु भी बन गये हैं। श्री चौहान ने यह भूमिका डिंडोरी जिले के शाहपुर में आदिम जाति कल्याण विभाग के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं के समक्ष निबाही। श्री चौहान ने बच्चों से चर्चा करते समय जब यह पूछा कि वे अपने स्वास्थ्य के लिये सूर्य नमस्कार प्राणायाम जैसे योग करते हैं या नहीं। बच्चों द्वारा अनभिज्ञता बताने पर उन्होंने पहले स्वयं बच्चों के समक्ष प्राणायाम करके बताया और फिर बच्चों से क्रम से एक एक पद करवाया और फिर बच्चों को प्राणायाम का पदवार संचालन करना सिखाया।

श्री चौहान ने विद्यालय की छात्र–छात्राओं को योग के लाभ बताते हुए कहा कि अज्ञान सबसे बड़ी गरीबी और ध्यान सबसे बड़ी सम्पत्ति है। उन्होंने कहा कि ध्यान करने से मन शांत स्थिर और एकाग्रचित्त होगा तथा इससे मन मस्तिष्क स्वस्थ रहेगा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पुस्तकों, गणवेश और छात्राओं से साइकिलों की उपलब्धता की जानकारी ली। यह ज्ञात होने पर कि समस्त पुस्तकें उपलब्ध नहीं हुई हैं, मुख्यमंत्री ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पता लगायें कि किस स्तर पर यह चूक हुई और इसके लिये जिम्मेदार व्यक्ति पर कार्यवाही की जाये। विद्यालय में विज्ञान विषय के शिक्षकों की कमी है की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने सम्बंधित विभाग के अधिकारी को शिक्षकों की शीघ्र व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। माध्यमिक विद्यालय के कन्या छात्रावास में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनने से छात्रावास में आवासीय स्थान में कमी को दूर करने के लिये उन्होंने कन्या छात्रावास के विस्तार पर विचार करने का आश्वासन भी दिया।

सभी छायाचित्र : उमेश ठाकुर, जबलपुर

जन साधारण का भरपूर उत्साह

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा को अनूपपुर, डिण्डौरी, मण्डला जिले में लोगों का भरपूर प्रसाद मिला। गणतंत्र दिवस की दोपहर से पवित्र नगरी अमरकंटक से हुई इस यात्रा में मुख्यमंत्री श्री चौहान की अपना मध्यप्रदेश बनाने के आम आदमी के सहयोग जैसी उद्देश्यपूर्ण बात को जनसाधारण ने जिस गंभीरता से लिया वह श्री चौहान में उनके विश्वास का प्रतीक है।

यात्रा के निर्धारित स्थलों, कार्यक्रमों और आमसभाओं के अलावा यात्रा मार्ग की हर बस्ती के लोगों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को स्व-स्फूर्त, गाड़ी रोककर खुद को संबोधित करने का अनुरोध किया और फिर मनायोग से उनकी बात सुनी। पूरी यात्रा में लोगों ने न केवल श्री चौहान को ध्यानपूर्वक सुना बल्कि उनकी बातों से पूरे उत्साह से सहमति जताई। सहमति जताने के लोगों के खास तौर से गांव वालों के तरीके भी अलग-अलग रहे। कहीं उन्होंने पारंपरिक जनजातीय गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से अपना मध्यप्रदेश की कामना से सहमति जताई तो कही स्वजाति गीतों के गायन और पुष्पहारों से, कहीं महिलाओं और कन्याओं ने मंगल कलश के साथ उनकी आरती उतारकर अपना मध्यप्रदेश बनाने की भावना को बल दिया। अनेक जगह और कार्यक्रमों में महिलाओं ने भी पूरे उत्साह से मुख्यमंत्री श्री चौहान की पेड़ लगाने, पानी बचाने नशामुक्ति जैसे कार्यक्रमों की सराहना की। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्री चौहान के हर कार्यक्रम और सभा में युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। युवा न केवल नारे लगाकर बल्कि हाथ उठाकर भी हर जगह अपना मध्यप्रदेश की भावना को समर्थन दे रहे थे। कुल मिलाकर वृद्ध, युवा, स्त्री-पुरुष ही नहीं बच्चों ने भी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान को गंभीरता से सुनकर सरकार के साथ समाज के जुड़ने पर ही प्रदेश के अग्रणी प्रदेश बन सकने की बात को समर्थन दिया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान की मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा को मिला यह समर्थन इसलिये भी विशेष हो जाता है क्योंकि यात्रा के दौरान उन्होंने हर जगह, हर गांव, हर कार्यक्रम और हर आम सभा में पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि वे कुछ देने नहीं बल्कि लेने आये हैं। मुख्यमंत्री यात्रा के दोनों दिन हर जगह लोगों से प्रदेश के विकास में लोगों के सहयोग का भरोसा लेने में भी सफल हुए।

स्टाप डेम निर्माण की सराहना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम बिछिया में बने स्टाप डेम के निर्माण की सराहना करते हुए निर्माण एजेंसी को प्रशंसा पत्र देने का निर्देश जिला कलेक्टर को दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपनी मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के दौरान जब डिण्डौरी जिले के शहपुरा से मण्डला जिले निवास की ओर जा रहे थे तो मार्ग में ग्राम बिछिया में बने स्टाप डेम पर उनकी निगाह गई। श्री चौहान अपने वाहन से उतरकर स्टाप डेम पर गये और वहां रुके पानी को देखा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने डिण्डौरी कलेक्टर को स्टाप डेम पर बुलाकर निर्माण एजेंसी को प्रशंसा पत्र देने का निर्देश दिया। कलेक्टर के अनुसार उक्त स्टाप डेम का निर्माण जनपद पंचायत बिछिया द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के जरिये निर्मित करवाया गया है।

जल संरक्षण की कार्ययोजना

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिह चौहान ने डिण्डौरी और मंडला जिले में जल संरक्षण की विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये है। श्री चौहान ने कहा कि इस वर्ष क्षेत्र में हुई कम वर्षा के कारण उत्पन्न जल संकट से

निजात दिलाने के लिए वर्तमान में उपलब्ध जल को संरक्षित करने की योजना शीघ्र लागू की जाए। श्री चौहान मंडला जिले के खिन्हा ग्राम में आम सभा को संबोधित कर रहे थे।

श्री चौहान ने आम सभा में अपनी मध्यप्रदेश बनाओ यात्रा के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी और उनसे प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी बढ़ाने को कहा। श्री चौहान ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए राज्य शासन द्वारा धन की कोई कमी नहीं आने दी जावेगी। उन्होंने ग्रामीणों से स्वयं में अपना मध्यप्रदेश की भावना को जागृत कर पानी, बिजली हरियाली बचाने और गांवों को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेकर उसे पूरा करने को कहा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने क्षेत्रीय सड़क के सुधार और शाला के संविदा शिक्षा कर्मियों की कठिनाइयों को दूर करने का भी आश्वासन दिया। श्री चौहान ने कार्यक्रम में पांच बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितलाभ पत्र सौंपे। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत कुछ हितग्राहियों को वन भूमि अधिकार पत्र भी प्रदाय किये।

इसके पहले निवास से खिन्हा आते समय मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम पिपरिया, देवडोगर, जुझारी, बकारी के रहवासियों के अनुरोध पर उनसे संवाद किये। सभी गांवों के निवासियों को मुख्यमंत्री ने अपना मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने ग्राम पिपरिया के कन्या हाई स्कूल को हायर सेकेण्ड्री स्कूल के रूप में उन्नत किये जाने की भी घोषणा की।

स्थानीय योजना, क्रियान्वयन और मूल्यांकन ग्राम विकास का आधार

गांव के चहुंमुखी विकास से ही खुशहाल और अग्रणी मध्यप्रदेश की परिकल्पना निहित है। गांव के विकास के लिये यह आवश्यक हो गया है कि विकास और सामाजिक सरोकारों की योजना उनका क्रियान्वयन और किये गये कार्यों का मूल्यांकन स्वयं ग्रामवासियों द्वारा ही किया जाये। उन्होंने इसके लिये ग्राम समितियों के गठन की वकालत की। नियोजित विकास ही गांवों की खुशहाली का आधार बनेगा। उक्त उद्‌गार मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 28 जनवरी, 2010 को अपनी 'आओ बनायें-अपना मध्यप्रदेश' अभियान के तहत आरंभ की गई दो दिवसीय यात्रा के अंतिम पड़ाव ग्राम सागर में वन क्षेत्रों से आये हजारों लोगों की सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

छाया : बृजराज चौहान

श्री चौहान ने ग्रामवासियों को अपने कर्त्तव्यों का पालन ईमानदारी से करने, गांव की सफाई को प्राथमिकता देने, पानी के संरक्षण की दिशा में पहल करने और नशा जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिये प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रामवासियों को इसके लिये अपने मन, वचन और कर्म से कार्य करना होगा। उन्होंने सभा से कहा कि उठो, जागो और आत्म विश्वास पैदा करो, ताकि ग्रामवासियों को एक स्वस्थ और विकसित वातावरण मिल सके।

कोदो-कुटकी भी समर्थन मूल्य पर खरीदेंगे

मध्यप्रदेश में अब कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाज समर्थन मूल्य पर क्रय करने की व्यवस्था की जायेगी, जिससे छोटे किसानों को उनकी फसल के उत्पादन का वाजिब दाम मिल सके। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह ने मंडला जिले के सागर गांव में उक्त जानकारी दी। यह उल्लेखनीय है कि कोदो- कुटकी की फसलें पहाड़ी और उसर जमीन में उत्पादित होती हैं। सुदूर अंचलों में होने वाले इस फसल का विशेष रूप से छोटे और आदिवासी किसानों को समुचित मूल्य नहीं मिल पाता है।

श्री चौहान ने भोपाल रवाना होने के पूर्व सागर ग्राम के स्कूली छात्रों से चर्चा की तथा ग्रामवासियों से भी भेंट की। श्री चौहान ने स्कूली छात्र-छात्राओं से स्कूल में होने वाली पढ़ाई और विशेष रूप से आदिवासी छात्र छात्राओं को शासन से मिलने वाली सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने ग्राम सागर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिसर में बाउण्ड्री वाल निर्माण कराने का आश्वासन भी दिया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि सागर को एक आदर्श ग्राम बनाने के लिए एक जुट हों और पूरी ललक के साथ इसमें जुट जाएं। मुख्यमंत्री को रात्रि विश्राम के बाद भोपाल के लिए रवाना होते समय बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भावभीनी बिदाई दी।

(लेखक उप संचालक जनसंपर्क भोपाल हैं।) ❖

मुख्यमंत्री तीसरी कक्षा के छात्रों से मिले

मुख्यमंत्री श्री चौहान शाहपुर से शहपुरा जाते हुए मार्ग में ग्राम नरिया की प्राथमिक शाला में अचानक पहुंचे और वहां कक्षा तीसरी के छात्रों से रूबरू हुए। उन्होंने बच्चों से पूछा मैं कौन हूं तो बच्चों ने बताया कि आप हमारे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने बच्चों से उनके नाम पूछे और उन्हें दुलारते हुए खूब पढ़ने–लिखने की समझाइश दी और सदैव पढ़ाई–लिखाई में अव्वल आने का आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने शाला में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षों की जानकारी लेकर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये।